http://www.maharashtrastudy.com

DAY —— 03 SEAT NUMBER

| 2020 | II | 22 | 1100 | J-314 | (H) |
|---|---|---|---|---|---|

# HINDI (04)

**Time : 3 Hrs.** **(12 Pages)** **Max. Marks : 80**

## कृतिपत्रिका

***कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :***

*(१) सूचना के अनुसार गद्‌य, पद्‌य तथा द्रुतवाचन की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।*

*(२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग करें।*

*(३) आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।*

*(४) व्याकरण विभाग तथा रचना विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियाँ आवश्यकता के अनुरूप हो।*

## (१) गद्‌य विभाग [२०]

**कृति १ (अ)** परिच्छेद पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (८)

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

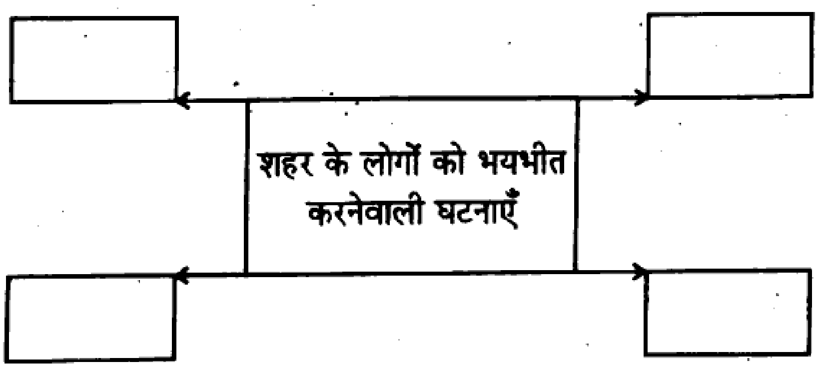


आरा शहर। भांदों का महीना। कृष्ण पक्ष की अँधेरी रात। ज़ोरों की बारिश। हमेशा की भाँति बिजली का गुल हो जाना। रात के गहराने और सूनेपन को और सघन भयावह बनाती बारिश की तेज़ आवाज़। अंधकार में



http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

डूबा शहर तथा अपने घर में सोए-दुबके लोग! लेकिन सचदेव बाबू की आँखों में नींद नहीं। अपने आलीशान भवन के भीतर अपने शयनकक्ष में बेहद आरामदायक बिस्तर पर लेटे थे वे। पर लेटनेभर से ही तो नींद नहीं आती। नींद के लिए- जैसी निश्चिंतता और बेफ़िक्री की ज़रूरत होती है, वह तो उनसे कोसों दूर थी।

हालाँकि यह स्थिति सिर्फ़ सचदेव बाबू की ही नहीं थी। पूरे शहर पर खौफ़ का यह कहर था। आए दिन चोरी, लूट, हत्या, बलात्कार, राहजनी और अपहरण की घटनाओं ने लोगों को बेतरह भयभीत और असुरक्षित बना दिया था। कभी रातों में गुलज़ार रहनेवाला उनका यह शहर अब शाम गहराते ही शमशानी सन्नाटे में तब्दील होने लगा था। अब रातों में सड़कों और गलियों में नज़र आनेवाले लोग शहर के सामान्य और संभ्रांत नागरिक नहीं, संदिग्ध लोग होते थे। कब किसके यहाँ क्या हो जाए, सब आतंकित थे। जब इस शहर में अपना यह घर बनवा रहे थे सचदेव बाबू तो बहुत प्रसन्न थे कि महानगरों में दमघोंटू, विषाक्त, अजनबीयत और छल-छद्मी वातावरण से अलग इस शांत-सहज और निश्छल-निर्दोष गँवई शहर में बस रहे हैं। लेकिन अब तो महानगर की अजनबीयत की अपेक्षा यहाँ की भयावहता ने बुरी तरह से त्रस्त और परेशान कर दिया था उन्हें। ये बरसाती रातें तो उन्हें बरबादी और तबाही का साक्षात् संकेत जान पड़ती थीं।

(२) उचित मिलान कीजिए : (२)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (i) | अँधेरी रात | — | | (अ) भादों |
| (ii) | गुल हो गई | — | | (आ) कृष्ण पक्ष |
| (iii) | महीना | — | | (इ) आरा |
| (iv) | शहर | — | | (ई) बिजली |

(३) निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में आए हुए विलोम शब्द लिखिए : (२)

| | | | |
|---|---|---|---|
| जैसे - | बाहर | — | भीतर |
| (i) | सुरक्षित | — | |
| (ii) | गाँव | — | |
| (iii) | अच्छी | — | |
| (iv) | सुबह | — | |

(४) महानगरीय जीवन के बारे में ६ से ८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए। (२)



http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

**( आ ) परिच्छेद पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ पूर्ण कीजिए :** **( ८ )**

( १ ) संजाल पूर्ण कीजिए : , ( २ )

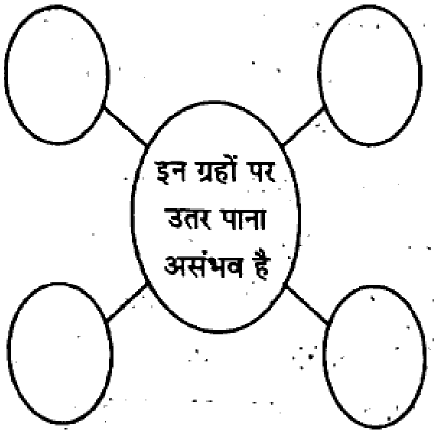


बृहस्पति की तरह शनि का वायुमंडल भी हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है। शनि की सतह के बारे में हमें कोई जानकारी नहीं है। हम केवल इसके चमकीले बाहरी वायुमंडल को ही देख सकते हैं। शनि के केंद्र भाग में ठोस गुठली होनी चाहिए, लेकिन चंद्रमा, मंगल या शुक्र की तरह शनि की सतह पर उतर पाना आदमी के लिए संभव नहीं होगा।

अभी दो दशक पहले तक शनि के दस उपग्रह खोजे गए थे। लेकिन अब शनि के उपग्रहों की संख्या सत्रह तक पहुँच गई है। धरती से भेजे गए स्वचालित अंतरिक्षयान पायोनियर तथा वायजर शनि के नज़दीक पहुँचे और इन्हीं के जरिए इस ग्रह के सात नए उपग्रह खोजे गए। शनि के और भी कुछ चंद्र हो सकते हैं।

शनि का सबसे बड़ा चंद्र टाइटन, सौरमंडल का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण और दिलचस्प उपग्रह है। टाइटन हमारे चंद्र से भी काफी बड़ा है। इसका व्यास ५१५० किलोमीटर है। अभी कुछ साल पहले तक टाइटन को ही सौरमंडल का सबसे बड़ा उपग्रह समझा जाता था, परंतु वायजर यान की खोजबीन से पता चला है कि बृहस्पति का गैनीमीडे उपग्रह सौरमंडल का सबसे बड़ा उपग्रह है।

लेकिन टाइटन की सबसे अद्‌भुत चीज़ है इस पर मौजूद घना वायुमंडल। मुख्य रूप से नाइट्रोजन से बना टाइटन का यह वायुमंडल हमारी पृथ्वी के वायुमंडल से भी ज्यादा घना और भारी है। टाइटन के वायुमंडल में मीथेन भी पर्याप्त मात्रा में मौजूद है। इस उपग्रह की सतह पर मीथेन वायु ठोस या तरल रूप में हो सकती है।



http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

(२) तालिका पूर्ण कीजिए : (२)

| | | |
|---|---|---|
| (i) | शनि का सबसे बड़ा चंद्र | |
| (ii) | बृहस्पति का उपग्रह | |
| (iii) | टाइटन का व्यास | |
| (iv) | स्वचालित अंतरिक्षयान | |

(३) निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में आए उचित शब्द लिखिए : (२)

(i) बदल — ☐

(ii) गगन — ☐

(iii) शोध — ☐

(iv) उपस्थित — ☐

(४) ग्रहों के बारे में ६ से ८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए। (२)

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के ८० से १०० शब्दों में उत्तर लिखिए (कोई एक) : (४)

(१) स्वामी विवेकानंद जी के स्वदेश भक्ति के बारे में विचार स्पष्ट कीजिए।

(२) किरोड़ीमल की कंजूस प्रवृत्ति पर प्रकाश डालिए।

(३) 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के आधार पर मैना का करुण भाव स्पष्ट कीजिए। http://www.maharashtrastudy.com

## (२) पद्य विभाग

[१६]

कृति २ (अ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

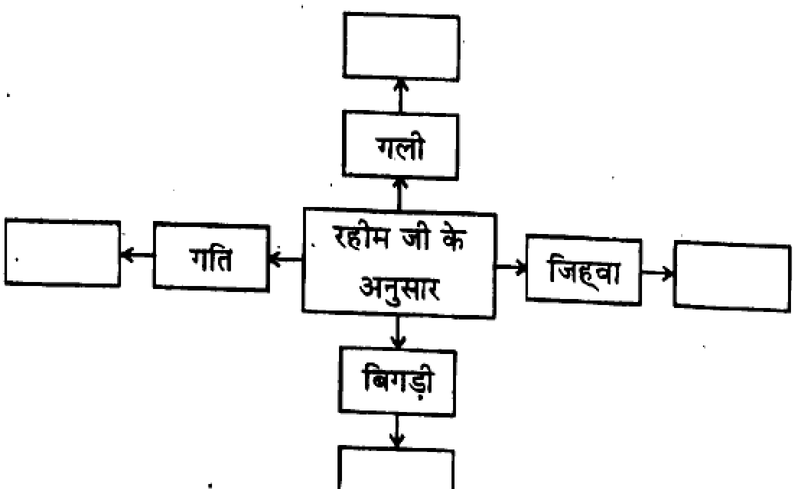




http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

'रहिमन' गली है सांकरी, दूजों नहिं, ठहराहिं।
आपु अहै, तो हरि नहीं, हरि अहै, तो आपु नाहिं।। १।।

'रहिमन' जिह्वा बावरी, कहिगी सरग पाताल।
आपु तो कहि भीतरि रही, जूती खात कपाल।। २।।

बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौ किन कोय।
'रहिमन' फाटे दूध को, मथै न माखन होय।। ३।।

ज्यौं रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोइ।
बरे उजियारो करै, बढ़े अंधेरो होइ।। ४।।

(२) शब्द सारिणी की सहायता से समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

| | | | |
|---|---|---|---|
| हृ | ह | जि | ह्वा |
| हृ | रि | र | हृ |
| हृ | त | ह | ह |
| भी | क | पू | त |

(i) कुपुत्र —
(ii) जीभ —
(iii) ईश्वर —
(iv) अंदर —

(३) प्रस्तुत पद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लगभग ६ से ८ पंक्तियों में लिखिए। (२)

**(आ)** पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

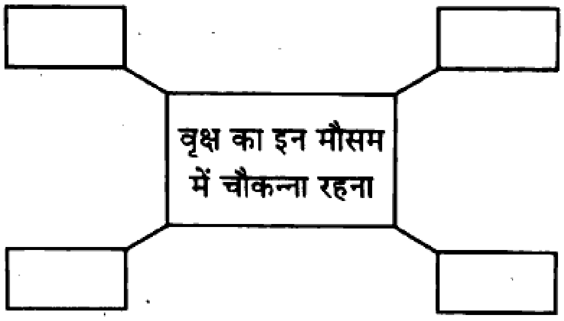


अबकी घर लौटा तो देखा वह नहीं था—
वही बूढ़ा चौकीदार वृक्ष
जो हमेशा मिलता था घर के दरवाजे पर तैनात।
पुराने चमड़े का बना उसका शरीर
वही सख़्त जान



http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

झुर्रियोंदार खुरदुरा तना मैलाकुचैला,
राइफिल-सी एक सूखी डाल,
एक पगड़ी फूल पत्तीदार,
पाँवों में फटापुराना जूता
चरमराता लेकिन अक्खड़ बल बूता

धूप में, बारिश में,
गर्मी में, सर्दी में,
हमेशा चौकन्ना
अपनी ख़ाकी वर्दी में।

(२) कोष्ठक में से शब्द चुनकर पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए : (२)

(फटापुराना, ख़ाकी, राइफिल-सी, पगड़ी)

(i) अपनी ------------- वर्दी में।

(ii) ------------- एक सूखी डाल।

(iii) पाँवों में ------------- जूता।

(iv) एक ------------- फूल पत्तीदार।

(३) प्रस्तुत पद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लगभग ६ से ८ पंक्तियों में लिखिए। (२)

(इ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (४)

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

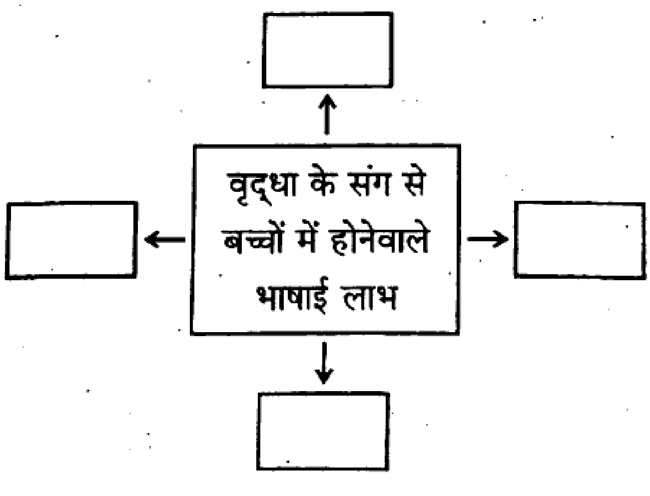


http://www.maharashtrastudy.com
http://www.maharashtrastudy.com



http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

उनके ही संग-साथ से भाषा में बच्चों की
आ जाती है एक अजब कौंध
मुहावरों, मिथकों, लोकोक्तियों,
लोकगीतों, लोकगाथाओं और कथा-समयकों की।
उनके ही दम से
अतल कूप खुद जाते हैं बच्चों के मन में
आदिम स्मृतियों के।
घुल जाती हैं बच्चों के सपनों में
हिमालय-विमालय की अतल कंदराओं की
दिव्यवर्णी-दिव्यगंधी जड़ी-बूटियाँ और फूल-वूल!

(२) प्रस्तुत पद्यांश का संदेश ६ से ८ पंक्तियों में लिखिए। (२)

## (३) द्रुतवाचन विभाग [१०]

**कृति ३ (अ)** परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

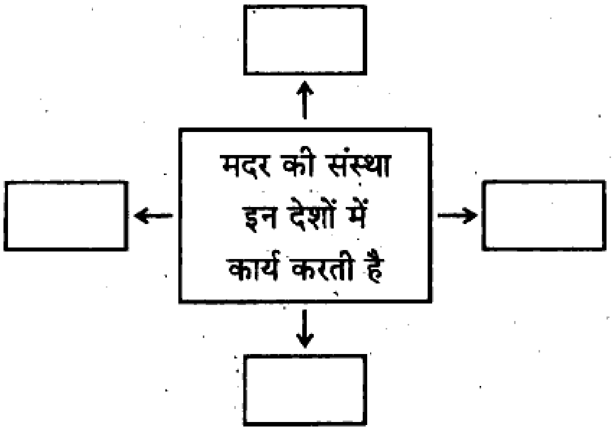


मानवता की सच्ची सेविका मदर टेरेसा का जन्म २६ अगस्त, १९१० को मक्दूनिया के एकोप्जे नामक स्थान पर हुआ। वे तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं तथा पिता एक सफल व्यापारी थे। १२ वर्ष की आयु में उन्होंने तय किया कि वे मिशनरी बनेंगी। १८ वर्ष की आयु में वे लोरेटो सिस्टर्स के लिए काम करने लगीं जो भारत में बहुत सक्रिय था।

२४ मई, १९३१ को उन्होंने नन के रूप में शपथ ली तथा १९४८ तक कलकत्ता के सेंट मेरी स्कूल में अध्यापन करती रहीं। कलकत्ता में स्कूल



http://www.maharashtrastudy.com
http://www.maharashtrastudy.com
http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

आते-जाते समय वे प्राय: झोपड़पट्टियों में बसे निर्धनों की दशा देख द्रवित हो जातीं। एक बार उन्होंने मरणासन्न रोगी को देखा, जो कष्ट के कारण अंतिम साँसें भी नहीं ले पा रहा था।

मदर ने अपने अधिकारियों से अनुमति लेकर, कलकत्ता में 'मिशनरी ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। बेघर बच्चों के लिए स्कूल खोला, बीमार व्यक्तियों के लिए अस्पताल खोला और मरणासन्न रोगियों को भरपूर सेवा तथा स्नेह मिलने लगा। कई दूसरी लड़कियाँ भी सदस्या बन गईं। वे भी पूरे प्रेमभाव से निर्धन तथा असहायों की सेवा करतीं। अनाथ बच्चों के लिए भी एक संस्था खोली गई। मदर लोगों के घर-घर जाकर खाना, दवाएँ तथा कपड़े माँगती। कुछ समय बाद लोग स्वयं आकर चंदा देने लगे।

मदर के काम को विश्व स्तर पर सराहा गया क्योंकि केवल भारत में ही नहीं बल्कि एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमरीका, पोलैंड व ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में भी मदर की संस्था अपना कार्य करने लगी। १९६५ में पोप जॉन पॉल ने मदर को दूसरे देशों मे अपनी सेवाएँ देने की आज्ञा दे दी।

(२) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

मदर टेरेसा के सेवा क्षेत्र —

(i) ☐

(ii) ☐

(iii) ☐

(iv) ☐

(३) समाज सेवा के बारे में ६ से ८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए। (२)

**(आ) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (४)**

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

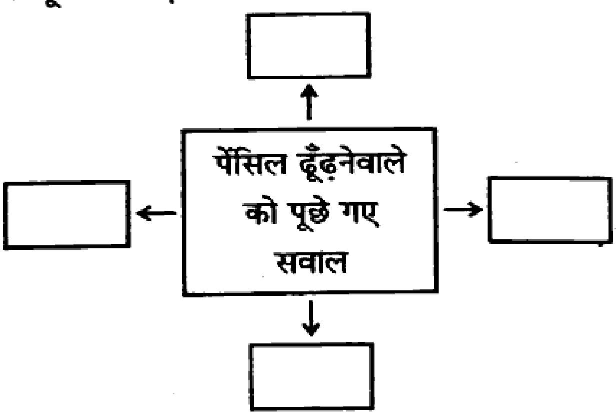




http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

आप कार्यालय अथवा कॉलेज जा रहे हैं। ठीक चलते समय सहसा आप देखते हैं कि जेब में पेंसिल नहीं है। आपने अपनी कोठरी में ढूँढ़ना आरंभ किया। बड़ी चौकसी से अपनी कोठरी का कोना-कोना छान डाला। इसी समय आपका पुत्र या भाई आकर पूछता है :

"क्या ढूँढ़ रहे हैं?"

"पेंसिल ढूँढ़ रहा हूँ।"

"जेब में नहीं है क्या?"

अब आप ही सोचिए कि जेब में पेंसिल रहने पर चारपाई के नीचे घुसकर कोई थोड़े ही पेंसिल ढूँढ़ता है। वह फिर कहता है, "मेज पर देखो।"

यदि इस बात पर भी आपको क्रोध न आए तो आप संसार में रहने योग्य नहीं हैं। आप कुछ बोलना ही चाहते हैं कि आपकी आँख घड़ी पर पड़ती है। आप देखते हैं कि बहुत विलंब हो गया है। ऐसे समय विवाद करना अच्छा नहीं। इसी समय पुत्र या भाई किसी काम से बाहर जाता है। आप पेंसिल के ढूँढ़ने का भगीरथ प्रयत्न कर रहे हैं। दो मिनट के पश्चात पुत्र या भाई आकर फिर पूछता है, "अब भी पेंसिल नहीं मिली?"

आप इस बार भी क्रोध को दबाए रहे। फिर दूसरा प्रश्न, "कहीं कोट में तो नहीं रही? उसे तो अम्मा ने धोबी के यहाँ भेज दिया।"

"नहीं, मैंने आज, नहीं अभी, आधा घंटा पहले उससे लिखा है। बैंगनी रंग की पेंसिल थी। चार आने की थी।"

"अरे, ठीक याद आया। उसे मैं पानी में भिगोकर टीका लगाने ले गया था। अभी लाया।" यह कहकर पुत्र या भाई चला जाता है। ऐसे समय आपके मन की दशा कैसी होगी, यह आप स्वयं अनुमान कर लें।

एक बार मैंने नई पुस्तक मोल ली। दूसरे दिन घर का कोना-कोना छान डाला। रसोईघर भी न छोड़ा। घर-भर के सभी लोगों ने हलचल मचा दी। ढूँढ़ते-ढूँढ़ते कई दवातें उड़ैल दीं, औषधि की शीशियाँ फोड़ दीं, जिन पत्रों का उत्तर देना रह गया था उन्हें पुरानी चिट्ठियों में और जो पुरानी थीं उन्हें नई चिट्ठियों में मिला दिया; पुस्तकों की पेटियों में कपड़े और कपड़ों की पेटियों में पुस्तकें डाल दीं। सब कुछ किया पर पुस्तक न मिली।

http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com



http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

(२) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

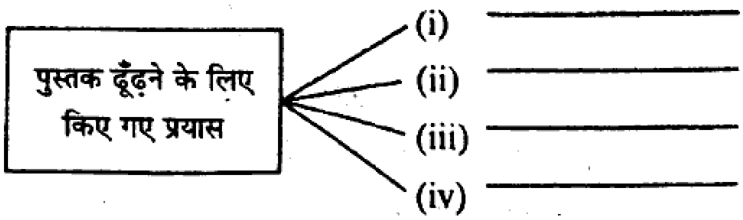


## (४) व्याकरण विभाग [१०]

**कृति ४ (अ)** निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का रचना के अनुसार भेद पहचानकर लिखिए : (१०) (२)

(१) मैंने साफ इंकार कर दिया कि मुझे आगे पढ़ना ही नहीं।

(२) मेरे प्रति स्नेह प्रदर्शन के कई प्रकार थे।

(३) डॉक्टर को देखकर तुरंत देह त्याग करने की इच्छा होती थी और नर्स को देखकर जनम-जनम जीने की।

**(आ)** निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए : http://www.maharashtrastudy.com (२)

(१) चित्रगुप्त घबरा उठे। (पूर्ण भूतकाल)

(२) मजदूर औजारों का थैला उठाता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(३) रसायन जोखिम उत्पन्न करते हैं। (सामान्य भविष्यत्‌काल)

**(इ)** निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए : (२)

(१) दिमाग सातवें आसमान पर होना

(२) आनाकानी करना

(३) हाथ-पर-हाथ धरे बैठना

(४) पैरों पर लोटना

**(ई)** निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का भाववाचक संज्ञा रूप लिखिए : (१)

(१) चंचल

(२) अच्छा

**(उ)** निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का विशेषण रूप लिखिए : (१)

(१) राष्ट्र

(२) पहाड़

http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com



http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

(ऊ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिरसे लिखिए : (२)

(१) पशू मनुष्य के निश्चित स्नेह से परिचित रहता है।

(२) बहुत से मनुष्य सूख का अर्थ नहिं समझते।

(३) बड़े बाबू को उनकी स्थिती पर दया आ गया।

## (५) रचना विभाग [२४]

कृति ५ निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग २५० से ३०० शब्दों में निबंध लिखिए : (१०)

(१) भारतीय किसान

(२) वृद्धावस्था — एक अभिशाप

(३) दहेज पीड़ित स्त्री की आत्मकथा

(४) यदि इंटरनेट न होता......

(५) महँगाई — एक समस्या

कृति ६ (अ) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए : (५)

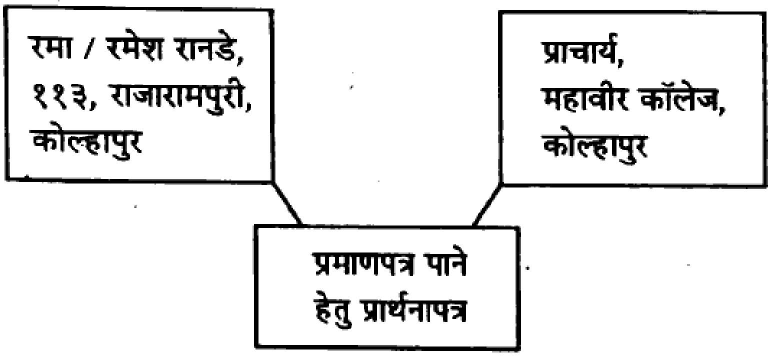


**अथवा**

वृत्तांत लेखन कीजिए :

अपने कनिष्ठ महाविद्यालय में मनाए गए 'वाचन प्रेरणा दिन' समारोह का वृत्तांत लिखिए।

(आ) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड ध्यान से पढ़िए और उस पर आकलन हेतु पाँच प्रश्न तैयार कीजिए : (५)

हिंदुस्तान एक विचित्र देश है! उसकी पहचान नदी से होती है या वनस्पति से। उसके देशकाल का बोध या तो नदी कराती है या वनस्पति कराती है। विशेष



http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com
http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

रूप से काल का बोध वनस्पति ही कराती है। उसके ऋतुचक्र का अवतरण सबसे पहले वनस्पति जगत पर ही होता है। हिंदुस्तान का आदमी वनस्पति को अपना प्रतिरूप मानता है। संतान को वासुदेव वृक्ष के रूप में देखता। इसलिए बिना वनस्पति के हिंदुस्तान का कोई भी अनुष्ठान संपन्न नहीं होता। मनुष्य से मनुष्य का संबंध, वनस्पति से वनस्पति का संबंध, लता और वृक्ष का संबंध है।

**अथवा**

पी. एस. आई. की परीक्षा में सफलता प्राप्त युवक से साक्षात्कार का नमूना तैयार कीजिए।

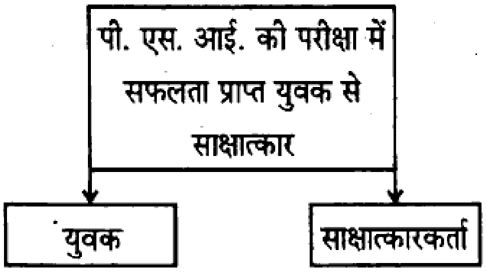


http://www.maharashtrastudy.com

http://www.maharashtrastudy.com

(इ) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पारिभाषिक शब्दों के लिए हिंदी शब्द लिखिए : (४)

(1) Notification (5) Key-board
(2) Right (6) Orbit
(3) Tax (7) Secretary
(4) Crime (8) Legal

**अथवा**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए :

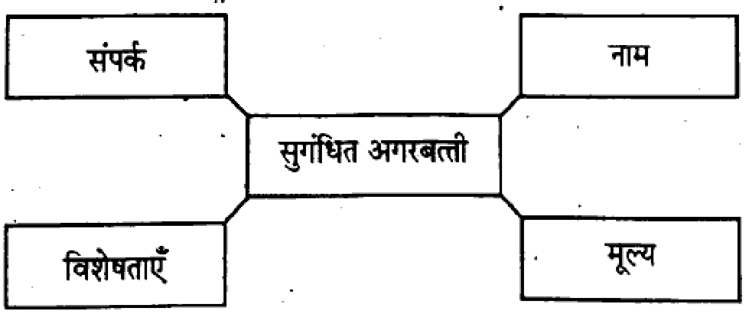


◆◆◆

http://www.maharashtrastudy.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भैजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से



http://www.maharashtrastudy.com